

अध्याय 11

वाक्यांश के लिए एक शब्द

हिन्दी में 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' का प्रयोग संस्कृत की अपेक्षा कम होता है। वस्तुतः कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक विचारों की अभिव्यक्ति के लिए 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' का प्रयोग उपयोगी होता है। ऐसे शब्दों को 'अनेक शब्दों के बदले एक शब्द' भी कहते हैं।

प्रतियोगिता परीक्षाओं में हिन्दी भाषा के प्रश्न-पत्र में 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' वाले प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि ऐसे प्रश्नों का अध्ययन गम्भीरता से किया जाए। यहाँ 'वाक्यांश के लिए एक शब्द' के कुछ परीक्षोपयोगी उदाहरण दिए जा रहे हैं

हिन्दी में एक वाक्य, वाक्यांश अथवा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के प्रयोग की परम्परा संस्कृत से आई है। हिन्दी में ऐसे शब्दों का प्रयोग ऋद्ध तौर पर होता है।

महत्त्वपूर्ण वाक्यांशों के लिए एक शब्द

वाक्यांश	एक शब्द
■ जिसका आदि न हो	अनादि
■ जिसका अन्त न हो	अनन्त
■ जिसके आने की तिथि निश्चित न हो	अतिथि
■ जिसे जीता न जा सके	अजेय
■ जिसके समान कोई दूसरा न हो	अद्वितीय
■ जो पहले कभी नहीं हुआ	अभूतपूर्व
■ जिसके टुकड़े न हो सकें	अखण्ड
■ जो गाए जाने योग्य न हो	अगेय
■ जिसकी गहराई का पता न हो	अथाह
■ जो बीत चुका है	अतीत
■ जो सदा से चला आ रहा है	अनवरत
■ जिसकी कल्पना न की जा सके	अकल्पनीय

वाक्यांश	एक शब्द	वाक्यांश	एक शब्द
■ कम खाने वाला	अल्पाहारी	■ छोटा भाई	अनुज
■ जिसका जन्म न हो सके	अजन्मा	■ जो वाणी द्वारा व्यक्त न किया जा सके	अनिर्वचनीय
■ जिसकी तुलना न की जा सके	अतुलनीय	■ अपनी प्रशंसा करने वाला	आत्मश्लाघी
■ जो कानून के विरुद्ध हो	अवैध	■ ईश्वर में विश्वास रखने वाला	आस्तिक
■ बड़ा भाई	अग्रज	■ आदि से अन्त तक	आद्योपान्त,
■ जहाँ जाना सम्भव न हो	अगम	■ आद्यंत	एकाधिकार
■ जिसे कभी बुढ़ापा न आए	अजर	■ एक ही आदमी का अधिकार	एकान्त
■ जो आँखों के सामने न हो	अप्रत्यक्ष	■ जहाँ कोई दूसरा न हो	ऐच्छिक
■ जो कभी मरता न हो	अमर	■ जो अपनी इच्छा पर निर्भर हो	कार्यकर्ता
■ अवसर के अनुसार बदल जाने वाला	अवसरवादी	■ कार्य करने वाला व्यक्ति	क्रमानुसार
■ जिसमें चेतना न हो	अचेतन	■ क्रम के अनुसार	आलोचक
■ जो कभी मरता नहीं	अमर्त्य	■ आलोचना करने वाला	दीर्घायु
■ जो आगे की न सोचता हो	अदूरदर्शी	■ जिसकी आयु लम्बी हो	वाचाल
■ मन में होने वाला ज्ञान	अन्तर्ज्ञान	■ जो बहुत बोलता हो	स्वयंभू
■ धरती और आकाश के बीच का स्थान	अन्तरिक्ष	■ जो स्वयं पैदा हुआ हो	तटस्थ
■ वध करने के योग्य	वध्य	■ जो किसी के पक्ष में न हो	वज्रपाणि
■ दूसरे के पीछे चलने वाला	अनुयायी	■ जिसके हाथ में वज्र हो	महात्मा
■ जिसे स्पर्श करना वर्जित हो	अस्पृश्य	■ जिसकी आत्मा महान् हो	कुरूप
■ जिसका कोई शत्रु न हो	अजातशत्रु	■ जिसका रूप अच्छा न हो	त्रिलोकी
■ जिसका मूल्य आँका न जा सके	अमूल्य	■ तीनों लोकों का स्वामी	नवजात
■ जो इस संसार से बाहर की वस्तु हो	अलौकिक	■ जो अभी पैदा हुआ हो	दावाग्नि
■ जिसके पास कुछ न हो	अकिंचन	■ जंगल में लगने वाली आग	(दावानल)
■ जो कानून के प्रतिकूल हो	अवैध	■ जो जन्म से अन्धा हो	जन्मान्ध
■ दोपहर के बाद का समय	अपराह्न	■ जो क्षमा करने योग्य हो	क्षम्य
■ अधिक बढ़ा-चढ़ा कर कहना	अतिशयोक्ति	■ जिस पुरुष की पत्नी की मृत्यु हो गई हो	विधुर
■ जो कुछ नहीं जानता हो	अज्ञ	■ जिसका आचरण अच्छा हो	सदाचार
■ जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो	अक्षम	■ जो उच्च कुल में पैदा हुआ हो	कुलीन
■ जिसकी उपमा न हो	अनुपम	■ जिस पर उपकार किया गया हो	उपकृत
■ जिसका निवारण न हो सकता हो	अनिवारणीय	■ जो धर्म का काम करे	धर्मात्मा
■ जिसकी अपेक्षा न हो	अनपेक्षित		

अभ्यास प्रश्न

- ‘जिसके समान कोई दूसरा न हो’ वाक्यांश के लिए एक शब्द है
 - शक्तिशाली
 - प्रतिभाशाली
 - अद्वितीय
 - पराक्रमी
- ‘आवश्यकता से अधिक धन का त्याग’ कहलाता है
 - अपरिग्रहण
 - अपरिग्रह
 - इन्द्रियनिग्रह
 - परिग्रह
- ‘जिसके पास कुछ भी न हो’ उसे कहेंगे
 - गरीब
 - दरिद्र
 - अकिंचन
 - विनीत
- ‘जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो’ उसे कहेंगे
 - इन्द्रियरहित
 - मतिहीन
 - इन्द्रियमय
 - अगोचर
- ‘जिसे जीता न जा सकता हो’ उसे कहेंगे
 - अभय
 - अजेय
 - विजय
 - इनमें से कोई नहीं

6. 'सबसे प्रथम गिना जाने वाला' कहलाता है
(a) प्रथम (b) अग्रज
(c) आरम्भ (d) अग्रगण्य
7. 'वह कवि जो तत्काल कविता करने में कुशल हो'
(a) सुकवि (b) महाकवि
(c) आशुकवि (d) राजकवि
8. 'आरम्भ से अन्त तक' के लिए एक शब्द क्या होगा?
(a) आरम्भिक (b) आद्योपन्त
(c) आद्योपान्त (d) सम्पूर्ण
9. 'जिसे मापा न जा सकता हो', कहलाता है
(a) अमापित (b) अपर
(c) अनुपेय (d) अपरिमेय
10. 'परम्परागत उक्ति' को कहते हैं
(a) अनुश्रुति (b) सूक्ति
(c) विरक्ति (d) इनमें से कोई नहीं
11. 'जो स्त्री सूर्य भी नहीं देख पाती', उसे कहेंगे
(a) असूर्यपश्या (b) अनूढा
(c) सूर्यपुत्री (d) असूर्ययश्मा
12. 'जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो', के लिए एक शब्द है
(a) स्कन्दगुप्त (b) अजातशत्रु
(c) अजानबाहु (d) अजेय
13. 'धन को व्यर्थ ही खर्च करने वाला' होता है
(a) व्ययी (b) धनिक
(c) मितव्ययी (d) अपव्ययी
14. जिसके हस्ताक्षर नीचे अंकित हों, को कहते हैं
(a) अधोहस्ताक्षर (b) हस्ताक्षरित
(c) अधोहस्ताक्षरकर्ता (d) अनुमोदन
15. 'बरसात बिलकुल न होना', कहलाता है
(a) अनवृष्टि (b) अल्पवृष्टि
(c) अनासृष्टि (d) अनावृष्टि
16. 'सरकार के प्रयास से जारी होने वाली सूचना' कहलाती है
(a) संसूचना (b) अध्यादेश
(c) राज्यादेश (d) अधिसूचना
17. 'जो किसी के प्रति आसक्त हो' कहलाएगा
(a) आसक्ति (b) आस्थावान
(c) अनुरक्त (d) विरक्त
18. 'बहुत दान देने वाले' को कहेंगे
(a) दानी (b) औढरदानी
(c) दीनदयाल (d) दानवीर
19. 'जो शीघ्र प्रसन्न हो जाए', उसे कहेंगे
(a) प्रसन्नचित्त (b) प्रसून
(c) प्रसन्ना (d) आशुतोष
20. 'जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हों' उसे कहते हैं
(a) अजानबाहु (b) आजानुबाहु
(c) समबाहु (d) विषमबाहु
21. 'आग्नेय' का अर्थ होता है
(a) सुगन्धित पदार्थ
(b) सुगन्धहीन पदार्थ
(c) जिसे सूँघा न जा सके
(d) जिसे सूँघा जा सके
22. 'जिसकी इच्छा की गई हो', वह कहलाता है
(a) इच्छित (b) ईप्सित
(c) आकांक्षा (d) महत्वाकांक्षा
23. 'जो इन्द्र पर विजय प्राप्त कर चुका हो' कहलाएगा
(a) इन्द्रजेय (b) इन्दु
(c) जितेन्द्रिय (d) इन्द्रजीत
24. 'घटनाओं का कालक्रम से किया गया वर्णन' कहलाता है
(a) इतिवृत्त (b) कहानी
(c) संस्मरण (d) नाटक
25. 'जो दो में निष्ठा रखता हो', उसे कहते हैं
(a) निष्ठावान (b) निर्जरा
(c) निर्लिप्त (d) उभयनिष्ठ
26. 'इन्द्रियों को भ्रमित करने वाला' कहलाता है
(a) ऐन्द्रिक (b) ऐन्द्रजालिक
(c) इन्द्रिलोलुप (d) इनमें से कोई नहीं
27. 'धर्मपत्नी से उत्पन्न पुत्र' को कहते हैं
(a) धर्मपुत्र (b) औरस
(c) बलशाली (d) तेजस्वी
28. 'काँटों से भरा हुआ' कहलाता है
(a) कण्टक (b) कण्टका
(c) गुलदस्ता (d) कण्टकाकीर्ण
29. 'अपने ही कुल के नाशक' को कहते हैं
(a) वंशज (b) कपूत
(c) कुलटा (d) कुलांगार
30. 'कुश की नोक-सी तीखी बुद्धि' को कहते हैं
(a) विद्वान् (b) कुशा
(c) कुशाग्रबुद्धि (d) मन्दबुद्धि
31. 'शुद्ध आत्मा' का मनुष्य कहलाता है
(a) पवित्र (b) दार्शनिक
(c) कृतात्मा (d) शुद्धोधन
32. 'उपकार को भूल जाने वाला' व्यक्ति होता है
(a) कृतज्ञ (b) कृतकृत्य
(c) दुष्ट (d) कृतघ्न
33. 'उपकार को याद रखने वाला' व्यक्ति कहलाता है
(a) कृतज्ञ (b) कृतघ्न
(c) कर्मठ (d) कृतकृत्य
34. 'गंगा से उत्पन्न' होने वाले को कहते हैं
(a) गांगेय (b) गंगू (c) गंगपुत्र (d) गंगीय
35. 'सायंकाल गायों के चरकर लौटने का समय' कहलाता है
(a) संध्या (b) गोधूलि
(c) गोधूम (d) गोकाल

36. 'चक्र धारण करने वाला' होता है

- (a) चक्रेश (b) चक्रधर
(c) चक्रेषु (d) चक्रक

37. 'जिनके चार-चार पैर होते हैं', उन्हें कहते हैं

- (a) चतुष्पद
(b) चौपाय
(c) चतुदर्शी
(d) चौरा

38. 'दूसरों के दोष देखने वाला' कहलाता है

- (a) आलोचक (b) निन्दक
(c) छिद्रान्वेषी (d) ईर्ष्यालु

39. 'जीने की इच्छा' को कहते हैं

- (a) महत्वाकांक्षा (b) सत्आकांक्षा
(c) जिजीविषा (d) विजयकामना

40. 'जीतने की इच्छा रखने वाला' कहलाता है

- (a) जिगीषा (b) जिगीषु (c) उन्माद (d) आकांक्षी

उत्तरमाला

1.	(c)	2.	(b)	3.	(c)	4.	(d)	5.	(b)	6.	(d)	7.	(c)	8.	(c)	9.	(d)	10.	(a)
11.	(a)	12.	(b)	13.	(d)	14.	(c)	15.	(d)	16.	(d)	17.	(c)	18.	(b)	19.	(d)	20.	(b)
21.	(d)	22.	(b)	23.	(d)	24.	(a)	25.	(d)	26.	(b)	27.	(b)	28.	(d)	29.	(d)	30.	(c)
31.	(d)	32.	(d)	33.	(a)	34.	(a)	35.	(b)	36.	(b)	37.	(a)	38.	(c)	39.	(c)	40.	(b)